करने के लिए राजनीति विज्ञान का अध्ययन अन्तर अनुशासनात्मक पद्धति से करना पड़ेगा क्योंकि मनुष्य समाज में रहकर जो क्रियाकलाप (व्यवहार) करता है, उसकी पृष्ठभूमि में मात्र राजनीतिक कारण नहीं होते बल्कि उसके पीछे सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक तथा मनोवैज्ञानिक कारण भी विद्यमान होते हैं।

⟹ उक्त सन्दर्भ में गार्नर ने बड़े ही सुन्दर एवं मार्मिक शब्दों में अपने विचार व्यक्त किये हैं कि "हम दूसरे समाज विज्ञानों का यथार्थ ज्ञान प्राप्त किये बिना राजनीति विज्ञान एवं राज्य का पूर्ण ज्ञान ठीक भली प्रकार प्राप्त नहीं कर सकते, जिस प्रकार गणित के बिना यंत्र विज्ञान और रसायनशास्त्र के बिना जीव विज्ञान का यथावत् ज्ञान प्राप्त नहीं किया जा सकता है।"

⟹ सन् 1890 ई० में कोलम्बिया विश्वविद्यालय में राजनीति विज्ञान विभाग की स्थापना के पश्चात भी विभिन्न विषयों के विद्वान राजनीति विज्ञान की गतिविधियों से जुड़े रहे। मैक्स वेबर, रोबर्ट मिचेल्स, विल्फ्रेड पैरेटो और दुर्खिम जैसे समाजशास्त्री राजनीतिक विश्लेषण (Political Analysis) को भी अपना अध्ययन का अंग बनाये हुए थे। सन् 1908 में ग्राहम वालास की पुस्तक 'Human nature in politics (ह्यूमन नेचर इन पॉलिटिक्स) एवं आर्थर बेंटले की पुस्तक 'The Process of Government' के प्रकाशन ने इस विचारधारा को और अधिक पुष्ट किया कि राजनीति विज्ञान का अन्य सामाजिक विज्ञानों से घनिष्ठ सम्बन्ध है क्योंकि इन पुस्तकों में राजनीतिक प्रक्रियाओं का विवेचन मनोविज्ञान का आश्रय लेकर किया गया था। इन पुस्तकों ने इस विचारधारा की

Remember that not getting what you want is sometimes a wounderful stroke of luck. - Dalai Lama

January 2016

WK	S	M	T	W	T	F	S
01	31					1	2
02	3	4	5	6	7	8	9
03	10	11	12	13	14	15	16
04	17	18	19	20	21	22	23
05	24	25	26	27	28	29	30

February 2016

WK	S	M	T	W	T	F	S
06		1	2	3	4	5	6
07	7	8	9	10	11	12	13
08	14	15	16	17	18	19	20
09	21	22	23	24	25	26	27
10	28	29	•	•	•		

B.A - part - I
Sub- Pol. Science
paper - I (Political Theory)

Topic — "राजनीति विज्ञान के अध्ययन का अन्तर्विषयक उपागम"
या
"राजनीति विज्ञान का अन्य विषयों के साथ सम्बन्ध।"

(Inter-disciplinary Approach to the study of political science)

Dr. Dhananjay Jha.
Asst. Prof. Guest faculty/part time
Deptt. of Pol. science
L.S. College, Muzaffarpur
M – 8406884013.

⟹ बीसवीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध में सामाजिक विज्ञानों के बीच के अन्तर्सम्बन्धों पर अधिक ध्यान दिया जाने लगा है। साथ ही विज्ञानों के अध्ययन हेतु एक नई पद्धति अन्तर-अनुशासनात्मक अध्ययन पद्धति (Interdisciplinary Approach) अस्तित्व में आई है। इसके माध्यम से एक विशेष समाज सम्बन्धी विषय का अध्ययन करने वाले विद्वान अन्य विषयों का अध्ययन करने वाले विद्वानों से समन्वय बनाये रखते हैं।

⟹ विभिन्न समाज विज्ञानों के क्षेत्र में व्यवहारवाद के उदय के पश्चात् यह तथ्य और भी उभरकर सामने आ गया है कि सभी समाज विज्ञानों का अध्ययन अन्तरअनुशासनात्मक पद्धति से किया जाना चाहिए। इसी स्वाभाविक क्रम में राजनीति विज्ञान ने भी इस प्रक्रिया में भाग लिया है। फलतः राजनीति विज्ञान के विद्वानों का मानना है कि मनुष्य के राजनीतिक व्यवहार का अध्ययन

If we did all the things we are capable of, we would astound ourselves. - Thomas Edison

Important Works | Important Calls | Important Meetings

की पुष्टि की कि मनुष्य का राजनीतिक व्यवहार उसके सामाजिक, आर्थिक व मनोवैज्ञानिक व्यवहार से अनिवार्यतः प्रभावित होता है और उन्हें प्रभावित करता है। इसी प्रकार किसी समाज की राजनीतिक व्यवस्था उसकी सामाजिक, आर्थिक, नैतिक आदि व्यवस्थाओं से अनिवार्यतः प्रभावित होती है और उन्हें प्रभावित करती है। इसलिए राजनीति विज्ञान में व्यवहारवादी क्रान्ति (Behavioural revolution) के प्रणेताओं ने मानव-व्यवहार के अध्ययन के लिए अन्तर-अनुशासनात्मक दृष्टिकोण (Inter-disciplinary approach) को अपनाने पर बल दिया। इस प्रक्रिया के फलस्वरूप राजनीति विज्ञान का अन्य सामाजिक विज्ञानों से सम्बन्ध और अधिक घनिष्ठ हो गया है।

अन्तर्विषयक उपागम | अन्य समाज विज्ञानों से सम्बन्ध

1. राजनीति विज्ञान और दर्शन
2. राजनीति विज्ञान और मनोविज्ञान
3. राजनीति विज्ञान और समाजशास्त्र
4. राजनीति विज्ञान और अर्थशास्त्र

Our lives begin to end the day we become silent about things that matter.-Martin Luther King Jr.

Important Works | Important Calls | Important Meetings